

संपादकीय

डंडे से समाज सुधार

सरमा को खुद से पूछना चाहिए कि मध्य और समृद्ध वर्ग के परिवारों में बाल विवाह क्यों नहीं होते? जिन समस्याओं का संबंध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से है, उनका हल डंडे के जोर से ढूँढना एक अतार्किक नजरिया है।

हर भावनात्मक और सामाजिक मामले को सियासी हथियार बनाने का भारतीय जनता पार्टी का उत्साह इतना ज्यादा है कि इसके फौरी और दीर्घकालिक दुष्परिणामों की वह तनिक भी फिक्र नहीं करती है। उसका यह उत्साह फिलहाल असम में देखने को मिल रहा है, जहाँ के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा उग्रता की होड़ में आगे निकलने का कोई मौका नहीं चूकते। अब उन्होंने बाल विवाह रोकने के नाम पर असम एक बड़ी सामाजिक समस्या खड़ी कर दी है। सैकड़ों कमउम्र लड़कियों का इस वजह से भविष्य खतरों में पड़ गया है, क्योंकि उनके नव-विवाहित पतियों को जेल भेज दिया गया है। इस तरह जो लोग अज्ञान, गरीबी और पारंपरिक पिछड़ेपन के शिकार हैं, उन्हें ही इसकी सजा भुगतने को भी कहा जा रहा है। क्या यह प्रश्न इस मौके पर नहीं उठाया जाना चाहिए कि अगर सरकारों ने सवैधानिक वायदे के मुताबिक सबकी शिक्षा और सबके जीवन रस्त में सुधार को सुनिश्चित किया होता, तो आज लाखों कमउम्र लड़के-लड़कियाँ उस सपने से वंचित नहीं होते, जिसकी वजह से वे छोटी उम्र में विवाह का बोझ उठाने को तैयार हो जाते हैं? सरमा को खुद से पूछना चाहिए कि मध्य और समृद्ध वर्ग के परिवारों में बाल विवाह क्यों नहीं होते?

जिन समस्याओं का संबंध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से है, उनका हल डंडे के जोर से ढूँढना एक अतार्किक नजरिया है। गौरतलब है कि असम सरकार ने राज्य में होने वाले "बाल विवाह, प्रसव के दौरान माताओं और नवजात शिशुओं की ऊंची मृत्यु दर पर अंकुश लगाने के लिए" अभियान चलाया है। इसके तहत 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वालों के खिलाफ पोक्सो अधिनियम और 14 से 18 साल तक की उम्र वाली लड़कियों से शादी करने वालों के खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम-2006 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम सरकार राज्य में बाल विवाह की सामाजिक कुशीत को समाप्त करने के लिए कृतसंकल्प है। लेकिन अगर वे इस संकल्प को पूरा करने के लिए शिक्षा, जागरूकता और परिवारों के आर्थिक सशक्तीकरण का अभियान चलाते, तो सारे देश में उनकी भावना की तारीफ होती। फिलहाल ऐसा करने की कोई वजह नहीं।

तेज गेंदबाजों ने सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा, ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट पर 76 रन

नागपुर। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन ने भारतीय स्पिनरों का डटकर सामना किया जिससे ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को यहां शुरूआत झटकों से उबरते हुए लंच तक दो विकेट पर 76 रन बनाए।

मोहम्मद शमी (12 रन पर एक विकेट) और मोहम्मद सिराज (13 रन पर एक विकेट) ने सलामी बल्लेबाजों उस्मान ख्वाजा (01) और डेविड वार्नर (01) को जल्दी पवेलियन भेजा लेकिन लाबुशेन (नाबाद 47) और स्मिथ (नाबाद 19) ने बाकी बचे पहले सत्र में रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और विचित्रद्वंद अश्विन की

स्पिन तिकड़ी को हावी नहीं होने दिया। लाबुशेन ने अपनी 110 गेंद की पारी में अब तक आठ चौके मारे हैं और उन्होंने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाने को तर्जोह थी। स्मिथ ने हालांकि अधिक रक्षात्मक रुख अपनाया। दोनों अब तक तीसरे विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी कर चुके हैं।

जडेज और अक्षर की कुछ गेंद हालांकि उछाल के साथ काफी तेजी से टर्न हुई जिससे पदार्पण कर रहे विकेटकीपर श्रीकर भरत को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

लेकर से पहले 'विकेट से छेड़छाड़' को मैच ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के सारे दावे फुसस

साबित हुए क्योंकि वीसीए स्टेडियम की पिच भारत की सामान्य सूखी पिच लग रही है जिस पर दूसरे दिन के बाद से स्पिनरों को काफी मदद मिलती है।

विकेट से स्पिनरों को टर्न मिल रहा है लेकिन भारतीय पिचों पर यह सामान्य बात है। स्मिथ और लाबुशेन ने हालांकि अपनी मजबूत तकनीक का नजारा पेश करते हुए भारतीय स्पिनरों का डटकर सामना किया।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया क्योंकि इस पिच पर चौथी पारी में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होगा।

सिराज ने दूसरे ओवर की मैच की अपनी पहली ही गेंद पर उस्मान ख्वाजा को पगबाधा किया। मैदानि अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया।

शमी ने अगले ओवर में बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए अंदर आती गेंद पर वार्नर को बोल्ट किया। भारत नियंत्रण में दिख रहा था लेकिन इसके बाद दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज लाबुशेन ने मोर्चा संभाला और कुछ आकर्षक शॉट खेले। उन्होंने लेट कट से अक्षर पर चौका जड़ने के बाद अधिन की गेंद पर करन ड्राइव से चार रन बटोरें।

सलमान ने पूरी की किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग, साझा किया पोस्ट

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर सलमान खान ने अपने अंदाज से लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। जल्द ही सलमान खान फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आने वाले हैं और खास बात तो यह है कि उन्होंने अपकॉमिंग मूवी की शूटिंग भी पूरी कर ली है। सलमान खान ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए दी है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग पूरी होने पर फैंस भी बेहद खुश नजर

आ रहे हैं। उन्होंने ट्विटर पर ट्रेंड तक शुरू कर दिया है।

सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से किसी का भाई किसी की जान की तस्वीर साझा करते हुए बताया कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्टर ने फोटो को इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा, किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग पूरी हो गई है। ईद 2023। जान कुमार सानू,



फिल्म कांतारा का बनेगा प्रीक्वल, ऋषभ शेट्टी ने खुद किया ऐलान

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा साल 2022 में काफी चर्चा में रही थी। पहले इस फिल्म ने साउथ में धमाल मचाया और फिर हिंदी में रिलीज होने के बाद इस फिल्म ने खूब कमाई की। ऋषभ शेट्टी की इस फिल्म की बॉलीवुड से लेकर साउथ तक के स्टारों ने काफी तारीफ की है। फिल्म को रिलीज हुए अब 100 दिन पूरे हो गए हैं। इसके बाद अब ये फिल्म फिर से चर्चा में आ गई है। मेकर्स इस फिल्म के हिट होने के बाद अब कांतारा के प्रीक्वल को लेकर

बड़ा ऐलान किया है। जिसके बाद फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। साउथ की साल 2022 में काफी चर्चा में रहने वाली फिल्म कांतारा के रिलीज होने के बाद से ही फैंस को इस मूवी के दूसरे पार्ट का इंतजार था। अब फिल्म की रिलीज के 100 दिन पूरे होने के बाद मेकर्स ने फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। एक इवेंट के दौरान ऋषभ शेट्टी बताया कि जो आप लोगों ने देखा वो फिल्म कांतारा का दूसरा भाग था।

ढाबा स्टाइल सेव टमाटर की सब्जी

सामग्री :

एक कटोरी सेव, दो टमाटर, दो चम्मच दही, आधा कटोरी टमाटर प्यूरी, एक चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, दो चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच जीरा पाउडर, आधा चम्मच गरम मसाला, एक चम्मच कसूरी मेथी, आधा चम्मच हल्दी, आधा चम्मच राई, आधा चम्मच साबुत जीरा, एक चूटकी हींग, कटा हरा धनिया, दो बड़ा चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक



जब मसाले अच्छे से पक जाएं, तो इसमें कटे हुए टमाचर डालें और नमक डालकर कढ़ाई ढक दें। टमाटर अच्छे से पक जाने पर इसमें टमाटर की प्यूरी मिलाएं और फिर अच्छी तरह पकाएं। बाद में इसमें दही डालकर 1-2 मिनट तक पकने दें। जब ग्रेवी तेल छोड़ने लगे तो इसमें कसूरी मेथी डाल दें। अब इसमें गरम मसाला और आधा कप पानी डालकर ग्रेवी को अच्छे से पकाएं। अंत में इसमें सेव डालकर थोड़ी देर और पकने दें। सेव नर्म होने पर गैस बंद कर दें और धनिया पत्ती से इसे गार्निश कर गार्निश सर्व डाल दें।

शब्द सामर्थ्य- 337

बाएं से दाएं 1. संबंध, दगाव, नात, काम 2. स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 3. फूलदार वृक्ष 4. पत्नी, बीवी 5. मसालेदार सुगंधित सूरती।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
7									
11	12								
	13	14							
	15								
17	18								

उपर से नीचे 1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, दबाव।

मै	दा	न	स	र	ग	म
त्री	सी		क्षा		धु	रं
सा	ह	स				र
स्वा	ग	त	स	म	झौं	ता
व	र		र			म
लं	वि	ला	स			दा
बी	न	ज	सा	मा	न	ता
ज	वा	हि	या	त		
त	र	की	व	ना	खा	ली

सू-दोक्- 337

	3			7		
9			6	3		8
7		9		5		6
3		8		7		1
	1	3		9		7
8				2		4
						3
						1

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें प्रत्येक का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

